

Children now we are starting Class-3
Hindi Grammar-

पाठ -1 बोल, लेख एवं संकेत



बच्चो, ऊपर दिए गए चित्रों को देखें— प्रथम चित्र में कर्मचारी बच्चे को जानवरों को छेड़ने से मना कर रहा है तथा बच्चा उसकी बात सुन रहा है। दूसरे चित्र में यही बात कक्षा में अध्यापक श्यामपट्ट पर लिख रहे हैं व छात्र इसे देखकर समझ रहे हैं। हाथों व आंखों की सांकेतिक भाषा का व्याकरण में कोई महत्व नहीं। इशारों में भीख माँगना, गूंगे-बहरों का इशारों में बात करना— यह सभी सांकेतिक भाषा के उदाहरण हैं।



पशु-पक्षी भी विभिन्न प्रकार की आवाज निकालकर अपनी बात कहते हैं। मनुष्य अपनी बात को लिखकर, बोलकर अथवा संकेतों के द्वारा व्यक्त करता है। इसके लिए भाषा का माध्यम आवश्यक है।



परिभाषा: स्वयं के विचार बोलकर या लिखकर दूसरों को व्यक्त करना तथा किसी अन्य के विचार सुनकर या पढ़कर समझना ही भाषा का श्रेय व उपयोग है।

भाषा के रूप- भाषा के दो रूप ही व्याकरण में स्वीकार्य हैं-

1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा

प्राध्यापक, विद्यालय में बच्चों को संबोधित कर रहे हैं व बच्चे उनकी बात को सुनकर समझ रहे हैं। यह भाषा का मौखिक रूप है। इस प्रकार जब हम बोलकर अपने मित्रों, परिवार के सदस्यों



तथा अन्य से विचारों का आदान-प्रदान करते हैं तो यह भाषा का मौखिक माध्यम है।

जब हम पत्र या संदेश लिखकर अथवा समाचार-पत्र या पुस्तक पढ़कर लिखी हुई बात समझते हैं या उन्हें दूसरों को समझाते हैं, तब हम भाषा का लिखित माध्यम प्रयोग में लाते हैं। किसी भाषा को लिखने की विधि को उसकी लिपि कहते हैं। प्रत्येक भाषा के लेखन की अपनी लिपि होती है।



- किसी देश में जिस भाषा का सर्वाधिक लोग प्रयोग करते हैं, वह भाषा उस देश की मातृभाषा कहलाती है।
- भारत में अधिकतर लोग हिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों का प्रयोग करते हैं। अतः हिन्दी ही भारत की राष्ट्र भाषा है।
- भारत में हिन्दी भाषा के विकास तथा उसके महत्व को जनसाधारण में प्रचलित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को 'हिन्दी दिवस' मनाया जाता है।

भारत में प्रचलित अन्य भाषाएँ - प्रत्येक देश अथवा भौगोलिक परिक्षेत्र में एक अलग भाषा बोली और लिखी जाती है। कुछ देशों में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोली व लिखी जाती हैं।

बच्चो, आपके आस-पास भी अनेक लोग रहते होंगे जो विभिन्न भाषाएँ बोलते होंगे। ये भारत के अलग-अलग राज्यों के मूल निवासी हैं। पंजाब के लोग पंजाबी, महाराष्ट्र के लोग मराठी, उड़ीसा के लोग उड़िया बोलते हैं। इसी प्रकार दक्षिण भारत में द्रविड़ मूल की भाषाएँ प्रचलित हैं, जैसे-तमिल, कन्नड़, मलयालम व तेलुगु। इन सभी भाषाओं की लिपि भी एक-दूसरे से भिन्न है।



लिपि - प्रत्येक भाषा के लिखने का ढंग भिन्न होता है। हिन्दी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। अंग्रेज़ी भाषा रोमन लिपि में तथा उर्दू भाषा फारसी लिपि में लिखी जाती है। बच्चो, क्या आपने सौ अथवा पाँच सौ रुपये के नोट पर लिखी विभिन्न भारतीय प्रांतीय भाषाएँ देखी हैं? भारत की पंद्रह प्रांतीय भाषाएँ तथा हिन्दी व अंग्रेज़ी भाषाएँ इन नोटों पर लिखी हैं।

प्रांतीय भाषाएँ



हमने सीखा

- विचारों व भावनाओं की स्पष्ट अभिव्यक्ति का साधन भाषा होती है।
- हम अपनी बात को बोलकर या लिखकर व्यक्त करते हैं।
- हम अन्य लोगों के विचार सुनकर अथवा पढ़कर समझते हैं।
- भाषा के दो रूप व्याकरण के नियमों के अनुरूप हैं- **मौखिक** और **लिखित**।
- भाषा के लिखने की विधि को **लिपि** कहते हैं।
- विभिन्न भाषाएँ विभिन्न लिपियों में लिखी जाती हैं।
- हिन्दी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

अभ्यास

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

1. भाषा क्या है? भाषा का हमारे जीवन में क्या महत्व है?
2. मौखिक भाषा के क्या प्रयोग हैं?
3. लिखित भाषा की महत्ता बताएँ?
4. राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं?

पाठ-1

बोल, लेख एवं संकेत

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1) भाषा क्या है ? भाषा का हमारे जीवन में क्या महत्व है ?

उत्तर - भाषा वह माध्यम है, जिसके द्वारा हम अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं तथा दूसरों के विचार समझते हैं। भाषा का हमारे जीवन में बहुत महत्व है क्योंकि हम अपनी बात को लिखकर अथवा बोलकर व्यक्त करते हैं। किसी बात को बोलना तथा लिखना भाषा के माध्यम से ही संभव है।

2) मौखिक भाषा के क्या प्रयोग हैं ?

उत्तर - मौखिक भाषा के द्वारा हम बोलकर और सुनकर अपने मित्रों, परिवार के सदस्यों तथा अन्य लोगों से विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

3) लिखित भाषा की महत्ता बताएँ।

उत्तर - लिखित भाषा द्वारा हम पुस्तक, समाचार-पत्र या पत्र द्वारा लिखी हुई बात समझते हैं तथा अपनी बात को लिखकर दूसरों को समझाते हैं।

4) राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं ?

उत्तर - किसी देश में सर्वाधिक (सबसे अधिक) लोगों द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा को उस देश की 'राष्ट्रभाषा' कहते हैं।

नोट- प्रश्न- उत्तर कॉपी में लिखें।
